शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने मजदूरों की मांगों को लेकर खुद पर डाला पेट्रोल

बाडमेर में मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने 500 गाड़ियों के काफिले के साथ कलेक्ट्रेट की तरफ कूच किया था

जालोर/बाडमेर, (कासं)। बाडमेर जिले के गिरल लिग्नाइट माइंस में पिछले 39 दिनों से जारी श्रमिक आंदोलन ने मंगलवार को बाडमेर जिला मुख्यालय पर सनसनीखेज मोड ले लिया । गिरल गांव में ग्रामीण रोजगार और जमीन विवाद को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहे धरना प्रदर्शन के बाद मंगलवार को हजारों की संख्या में लोगों के काफिले के साथ शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी बाडमेर कलैक्ट्रेट पहुंचे। जहां विधायक रविन्द्र सिंह भाटी ने स्वयं के शरीर पर पेट्रोल उडेलकर आत्मदाह का प्रयास किया। पुलिस व प्रशासन के हाथ पैर फूल गये तथा विधायक को पुलिस जाब्ता कलैक्ट्रेट में लेकर गई।

मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने अपने शरीर पर पेट्रोल उडेल लिया।

- श्रमिकों की मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के कारण आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया गया है। मंगलवार को गिरल गांव में मजदूर आंदोलन जनसभा आयोजित की गई

बाडमेर में मजदूरों की मांगों को लेकर शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने 500 गाडियों के काफिले के साथ मंगलवार को कलेक्ट्रेट की तरफ कूच कर दिया। कलेक्ट्रेट से 1 किलोमीटर पहले ही पुलिस ने बसें लगा कर भाटी का काफिला रोक लिया। काली फॉर्च्यूनर में सबसे आगे विधायक थे और उनके पीछे गाडयिों का काफिला चल रहा था। काफिला रोकने के बाद विधायक भाटी पैदल ही अपने समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे, यहां समर्थकों ने उन्हें कंधे पर उठा लिया। विधायक भाटी ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया और इसके बाद खुद को माचिस से जलाने की कोशिश की। इसी दौरान मौके पर मौजूद प्रशासन और पुलिस अधिकारियों में हडकंप मच गया। प्रदर्शन स्थल पर भारी संख्या में समर्थक और मजदूर मौजूद रहे। पुलिस ने विधायक भाटी को मौके से पकड़कर कलेक्ट्रेट ले गए। इस बीच विधायक भाटी की गिरफ्तारी को लेकर अफवाहें फैल गई। जिस पर पुलिस ने ट्वीट कर इसका खंडन किया। समाचार लिखे जाने तक कलेक्ट् के बाहर विधायक भाटी के समर्थकों की भारी भीड जमा हुई थी और विधायक भाटी और प्रशासन के बीच वार्ता चल रही थी। गिरल लिग्नाइट पर पिछले 39 दिनों से मजदूरों का धरना चल रहा है जिसे शिव विधायक रविंद सिंह भाटी ने समर्थन देते हुए कहा कि हम मजदूरों की आवाज को दबने नहीं देंगे। मजदूरों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों की अनदेखी की जा रही है, जिसके विरोध में शिव के निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी के साथ बाडमेर जिला कलेक्टर का घेराव करने पहुंचे हैं। विधायक रविंद्र सिंह भाटी का कहना है कि गिरल माइंस में कार्यरत स्थानीय मजदूर पिछले 39 दिनों से अपनी वाजिब मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से धरने पर बैठे हैं, लेकिन अब तक जिला प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों की ओर से कोई प्रभावी और संतोषजनक कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि लगातार अनदेखी और श्रमिकों की मांगों पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अब आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में मंगलवार को सुबह 10ः बजे गिरल गांव में मजदूर आंदोलन जनसभा आयोजित की गई जिसमें प्रदेशभर से मजदूर, श्रमिक संगठन, किसान, युवा और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों में निकाले गए श्रमिकों और ड्राइवरों की पुनर्बहाली, श्रमिकों के लिए 8 घंटे की ड्यूटी व्यवस्था, स्थानीय युवाओं को रोजगार में प्राथमिकता तथा श्रम कानूनों के अनुरूप सुविधाएँ उपलब्ध करवाना शामिल है। इस पूरे विवाद की जड गिरल माइंस से जुडी है। इस घटनाक्रम से ठीक एक दिन पहले, सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अहम आदेश जारी किए थे। कोर्ट ने गिरल माइंस से लिग्नाइट का परिवहन (ट्रांसपोर्टेशन) तुरंत शुरू करने और परिवहन करने वाले वाहनों को पर्याप्त सुरक्षा देने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही, हाईकोर्ट ने बाडमेर एसपी और शिव थानाधिकारी को सख्त आदेश दिए थे कि इस कार्य में बाधा उत्पन्न करने वाले और कानून हाथ में लेने वाले किसी भी व्यक्ति को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस मुस्तैद थी, जिसके चलते इस बडे प्रदर्शन के दौरान भारी हंगामा देखने को मिला। यह पूरा मामला अब बाडमेर ही नहीं बल्कि राजस्थान स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है ।

45 लाख की बैंक लिमिट पर 6.60 करोड़ का लेनदेन

- सॉफ्टवेयर की खामी का फायदा उठाया, व्यापारी गिरफ्तार

नोखा । यहां एक व्यापारी ने एसबीआई बैंक की तकनीकी खामी का फायदा उठाते हुए 45 लाख की लिमिट वाले बैंक खाते से 6.60 करोड़ का लेनदेन कर दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन की रिमांड पर भेजा गया है।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया- सांडवा थाना क्षेत्र के नब्बासर निवासी अमृतलाल जाट का नोखा स्थित एसबीआई शाखा में मैसर्स श्री बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज के नाम से सीसी लिमिट खाता है। बैंक द्वारा उसे 45 लाख रुपए की क्रेडिट सीमा स्वीकृत की गई थी।

आरोपी ने बैंक के भुगतान सिस्टम और सॉफ्टवेयर अलर्ट में मौजूद तकनीकी खामी का फायदा उठाया। उसने 3 दिसंबर 2024 से 20 दिसंबर 2024 के बीच विभिन्न फर्मों के नाम करोड़ों रुपए के चेक जारी किए। इस दौरान आरोपी ने कुल 6 करोड़ 60 लाख 63 हजार 305 रुपए का लेनदेन किया, जो स्वीकृत सीमा से लगभग 13 गुना अधिक था। बैंक के सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण निर्धारित सीमा से अधिक भुगतान होने के बावजूद कोई अलर्ट जारी नहीं हुआ। करीब 15 दिन बाद 21 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन सिस्टम से अलर्ट मिलने पर बैंक अधिकारियों को मामले की जानकारी हुई। इसके बाद बैंक प्रबंधन में हड़कंप मच गया। खाते की जांच में पता चला कि 45 लाख रुपए की लिमिट वाले खाते में 5 करोड़ 26 लाख रुपए से अधिक की बकाया राशि हो चुकी थी। मामले का खुलासा होने के बाद बैंक प्रबंधन ने खाताधारक से संपर्क किया। आरोपी ने बाद में करीब 2 करोड़ 50 लाख रुपए बैंक में जमा भी करवाए। एसबीआई शाखा सदर बाजार नोखा के शाखा प्रबंधक आनंद व्यास ने 28 दिसंबर 2024 को नोखा थाने में मामला दर्ज करवाया था। रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी अमृतलाल जाट ने बैंक को धोखा देने की नीयत से आपराधिक षड्यंत्र रचते हुए अपनी निर्धारित सीमा से कई गुना अधिक राशि विभिन्न फर्मों को चेक के माध्यम से ट्रांसफर करवाई। बैंक ने आशंका जताई थी कि आरोपी ने अन्य फर्मों और व्यक्तियों के साथ मिलकर सुनियोजित तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया। रिपोर्ट में संबंधित फर्मों के खातों पर होल्ड लगाने और राशि बरामद करवाने की मांग भी की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने राजस्थान एग्रो, श्री सांवरिया सेठ एग्री एक्सपोर्ट, धरती एग्रो एक्सपोर्ट, कैस्ट्रोल एक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज और स्वास्तिक एक्सपोर्ट्स सहित कई फर्मों के खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर की। बैंक रिकॉर्ड के अनुसार 3 दिसंबर से 26 दिसंबर 2024 के बीच आरोपी के खाते में करीब 2 करोड़ 14 लाख रुपए विभिन्न माध्यमों से जमा भी हुए थे। थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि मामले की जांच के दौरान बैंक प्रबंधन और खाताधारक को कई बार नोटिस देकर बुलाया गया तथा पर्याप्त समय दिया गया। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने आरोपी अमृतलाल जाट निवासी नब्बासर, थाना सांडवा को गिरफ्तार कर लिया।

फतहसागर झील में व्यापारी का शव मिला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की फतहसागर झील में रविवार को नहाने गए एक व्यापारी का तीसरे दिन मंगलवार सुबह 6 बजे झील के चादर चलने के पास स्थित फव्वारे के समीप शव तैरता दिखाई दिया। व्यापारी को सर्च ऑपरेशन तीन दिन चला। 48 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस की टीमे लगी रही और आज सुबह व्यापारी का शव पानी में तैरता मिला। उदयपुर शहर के व्यापारी ललित मेहता (62) निवासी अशोक नगर जैन मंदिर के पास रविवार को नहाने फतहसागर गए थे। सुबह 8 बजे वे फतहसागर झील पहुंचे जहां वे दूसरे नंबर की छतरी के समीप अपने कपड़े उतार उन्हें थैली में रखते दिखाई दिए। यह सब घटना वहां पास फिश एक्वेरियम के लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दी इसके बाद उनका सुराग नहीं लगा। परिजन सुबह 10 बजे उन्हें खोजते हुए फतहसागर झील पहुंचे और व्यापारी के डूबने के आशंका के बीच सिविल डिफेंस की टीम ने उन्हें खोजना शुरू किया। सोमवार को एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची और उन्होंने पर रेस्क्यू चलाया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। व्यापारी का शव तीसरे दिन मंगलवार सुबह तैरता मिला जिसे बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार ललित मेहता अच्छे तैराक थे और लोगों को तैरना भी सिखाते थे।

पावटा हाईवे पर तीन वाहनों की भिड़ंत

- हादसे के बाद फिर सवालों में हाईवे व्यवस्था
- घंटों जाम में फंसे राहगीर

पावटा । दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार को एक बार फिर तेज रफ्तार और लापरवाही का खामियाजा देखने को मिला। पावटा कस्बे के पास हुए भीषण सड़क हादसे में तीन वाहन आपस में भिड़ गए। हादसा इतना जोरदार था कि ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने के बाद मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी कार में जा घुसा। हादसे में तीनों वाहन बुरी तरह क्षितग्रस्त हो गए। गनीमत रही कि इस भीषण टक्कर में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन हादसे के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब एक घंटे तक दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और राहगीर जाम में फंसे परेशान होते रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रहे तेज रफ्तार मिनी ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पास में खड़ी कार भी इसकी चपेट में आ गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग दौड़कर मदद के लिए पहुंचे। सूचना मिलने के बाद प्रागपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक हाईवे पर लंबा जाम लग चुका था। स्थानीय लोगों का कहना रहा कि यदि हाईवे पर नियमित गश्त और ट्रैफिक मॉनिटरिंग प्रभावी होती तो शायद स्थिति इतनी बिगड़ती नहीं।

लोगों ने यह भी आरोप लगाए कि हादसों के बाद ही पुलिस और प्रशासन की नींद खुलती है, जबकि इस हाईवे पर आए दिन दुर्घटनाएं होना आम बात बन चुकी है। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने क्रेन बुलवाकर क्षितग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाया और यातायात सुचारू करवाया। हालांकि तब तक आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से हाईवे पर ट्रैफिक व्यवस्था मजबूत करने, नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने और दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा इंतजाम सख्त करने की मांग की है, ताकि आए दिन होने वाले हादसों पर लगाम लगाई जा सके।

वल्लभनगर के जंगल में भीषण आग लगी

उदयपुर, (कासं)। वल्लभनगर के काली पहाड़ी जंगल में मंगलवार दोपहर भीषण आग लग गई। तेज हवा और सूखी झाड़ियों के कारण आग तेजी से फैल गई और विकराल रूप ले लिया। आग की लपटें दूर.दूर तक दिखाई देने लगीं जिससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही वन विभाग और वल्लभनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को सूचित किया। यह इसी जंगल क्षेत्र में आग लगने की कई घटनाओं में से एक है। बार.बार आग लगने से वन संपदा और वन्यजीवों को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका बनी हुई है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय ग्रामीणों ने एक ही जंगल क्षेत्र में बार.बार आग लगने पर संदेह व्यक्त किया है। उन्होंने मामले की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एआई की निगरानी में होगी प्री-डीएलएड परीक्षा

बायोमैट्रिक सत्यापन के बाद ही मिलेगा प्रवेश

बीकानेर । प्रदेश के डीएलएड कॉलेजों में प्रवेश के लिए 20 मई को प्री-डीएलएड परीक्षा आयोजित होगी। नोडल एजेंसी वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय ने परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्यभर में पंजीकृत 6.05 लाख अभ्यर्थियों के लिए 41 जिलों के 887 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में परीक्षा आयोजित की जाएगी।

- 41 जिलों के 887 केंद्रों पर 6.05 लाख परीक्षार्थी पंजीकृत

इस बार परीक्षा को पूरी तरह नकल मुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए पहली बार एआई आधारित निगरानी प्रणाली और जीरो टॉलरेंस नीति लागू की गई है। जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में हाईटेक स्टेट कमांड सेंटर बनाया गया है, जहां से प्रदेशभर के सभी परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी। परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी कैमरे सीधे कमांड सेंटर से जुड़े रहेंगे।

एआई सॉफ्टवेयर संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर तुरंत अलर्ट जारी करेगा, जिसके बाद आईटी और एआई विशेषज्ञों की टीम संबंधित केंद्र पर तत्काल कार्रवाई करेगी।

परीक्षा पहली पारी में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पारी में दोपहर 2.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होगी। पहली पारी के लिए अभ्यर्थियों को सुबह 7.30 से 8.30 बजे तक तथा दूसरी पारी के लिए दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक ही प्रवेश मिलेगा। गेट बंद होने के बाद किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।द्ध

प्री-डीएलएड परीक्षा बीकानेर जिले में 36 परीक्षा केंद्रों पर दो पारियों में होगी। पहली पारी में 12591 और दूसरी पारी में भी 12591 कुल 25182 अभ्यर्थी दो पारियों में परीक्षा देंगे। परीक्षा के जिला समन्वयक डॉ. राजेंद्र पुरोहित बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन ने चार फ्लाइंग दल भी गठित किए हैं। परीक्षा समन्वयक के मुताबिक परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सख्त फ्रिस्किंग, सीसीटीवी जांच और बायोमेट्रिक सत्यापन किया जाएगा। बिना प्रवेश पत्र और मूल पहचान पत्र के किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं होगी। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

दरगाह बाजार में लॉ स्टूडेंट पर जानलेवा हमला

अजमेर । अजमेर के दरगाह थाना क्षेत्र में लॉ के एक छात्र पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक युवकों ने दरगाह बाजार स्थित एक बिरयानी दुकान पर युवक को घेरकर उसके साथ मारपीट की, चाकू से हमला किया तथा उसका आईफोन और नकदी छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

पूरी वारदात दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में 8 लोगों को नामजद किया गया है।

एएसआई श्याम लाल ने बताया कि दरगाह थाना पुलिस को दी गई रिपोर्ट में मुस्लिम मोची मोहल्ला निवासी सैयद शहजाद अली ने बताया कि वह वर्तमान में दरगाह बाजार क्षेत्र में रहकर लॉ की पढ़ाई कर रहा है। उसने आरोप लगाया कि बीर गांव निवासी सैयद दिलनवाज अली सहित अन्य युवक पिछले कई दिनों से उसे जान से मारने की धमकियां दे रहे थे।

पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने दरगाह बाजार स्थित एक बिरयानी दुकान पर उसे घेर लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोप है कि हमलावर उसका आईफोन और नकदी भी छीनकर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलने के बाद दरगाह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है तथा फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की भूमिका की जांच की जाएगी।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत दूसरा गंभीर घायल

- दोनों बाइक पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए जा रहे थे जयपुर
- निवाई बाईपास पर हुई दुर्घटना

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग-52 निवाई बायपास पर होटल भारद्वाज के सामने सोमवार की रात एक डंपर ने बाइक के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई तथा दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलने पर थानाधिकारी घासीराम मय जाप्ता घटनास्थल पर पहुंचे और एंबुलेंस की सहायता से मृतक के शव व घायल को राजकीय उप जिला चिकित्सालय, निवाई लेकर आए और मृतक के शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया तथा गंभीर घायल को उपचार के लिए भर्ती करवाया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रमेशचंद्र पुत्र तुलसीराम रैगर निवासी देहती व दीपक पुत्र ओमप्रकाश रैगर निवासी फुलेती बावड़ी इंद्रगढ़,जिला बूंदी बाइक पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए जयपुर जा रहे थे। इसी दौरान दुर्घटना हो गई। इस सड़क दुर्घटना में रमेशचंद रैगर पुत्र तुलसीराम रैगर की मौत हो गई।चिकित्सकों ने गंभीर घायल दीपक को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रैफर कर दिया। मंगलवार की सुबह परिजनों के आने पर मृतक युवक के शव का पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार किया व चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम किया और शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक रमेश विवाहित था और उसके एक 12 माह की बच्ची है। वह परिवार में तीन भाईयों में सबसे छोटा भाई था।

घर में घुसकर बुजुर्ग को बेरहमी से पीटा

- 10 से 15 बदमाश 500 मीटर तक घसीटते हुए ले गए, घायल अस्पताल में भर्ती

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग को घर में घुसकर बेरहमी से पीटा गया। फला भागासिरा महुडी गांव में करीब एक दर्जन बदमाशों ने इस वारदात को अंजाम दिया। घायल बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।य जहां उसका इलाज चल रहा है। मंगलवार रात को कचरा पिता बदा रोत अपने घर पर खाना खाकर बैठे थे। उसी समय 10 से 15 अज्ञात लोग उनके घर में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी।

बदमाशों ने कचरा रोत को घर से बाहर निकाला और करीब 500 मीटर तक घसीटते हुए ले गए। चीख.पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचेए तो बदमाशों ने उन पर भी पथराव किया। हालांकिए परिजनों ने खुद का बचाव किया। सूचना मिलने पर चौरासी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद परिजन घायल कचरा को एक निजी वाहन से जिला अस्पताल ले गए. जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन बदमाश डिटेन दो बाइक जब्त

उदयपुर,(कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.अमृता दुहन के निर्देश पर महिला सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा के निर्देशन में महिला सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ करने के लिए पुलिस की विशेष कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा डिकॉय ऑपेरशन शुरू किए जाने के दौरान सादा वस्त्रों में शहर के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर महिलाओं,बालिकाओं के साथ छेडछाड़,चेन स्नैचिंग,अभद्रता की संभावना वाले स्थानों पर कार्यवाही करते हुए यूनिटने घंटाघर एवं हिरणमगरी थाना क्षेत्र से 3 व्यक्तियों को अनुचित व्यवहार व सार्वजनकि स्थान पर शराब सेवन करते हुए को डिटेन कर दो बाईक जब्त की। अब तक कालिका पेट्रोलिंग यूनिट द्वारा 28 लोगों को पकडा जा चुका है।

पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान पथराव

अजमेर । अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा पुष्कर वेडिंग डेस्टिनेशन योजना के तहत होकरा क्षेत्र स्थित सरकारी खातेदारी भूमि पर साफ-सफाई, सीमांकन एवं मुताम लगाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी क्रम में प्राधिकरण की टीम जाब्ते एवं जेसीबी मशीनों के साथ मौके पर पहुंची।

कार्रवाई के दौरान कुछ स्थानीय व्यक्तियों ने विरोध करते हुए अचानक पथराव शुरू कर दिया। इस घटना में प्राधिकरण की दो गाड़ियां एवं दो जेसीबी मशीनें क्षतिग्रस्त हो गईं, वहीं वाहनों के शीशे भी टूट गए। पथराव की घटना से मौके पर मौजूद प्राधिकरण कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन गया।

- पथराव की घटना से मौके पर मौजूद प्राधिकरण कर्मचारियों में भय एवं असुरक्षा का माहौल बन गया

घटना में प्राधिकरण जाब्ता के कर्मचारी बसंत कुमार के हाथ में फ्रैक्चर होने की भी जानकारी सामने आई है।

एडीए की क्षतिग्रस्त जेसीबी मशीन।

प्राधिकरण के अनुसार लगभग 25 से 30 व्यक्तियों द्वारा राजकार्य में बाधा उत्पन्न करते हुए सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। घटना के दौरान क्षतिग्रस्त वाहनों के फोटोग्राफ एवं वीडियो भी सुरक्षित किए गए हैं। अजमेर विकास प्राधिकरण ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध राजकार्य में बाधा पहुंचाने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं में पुष्कर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई है । प्राधिकरण ने बताया कि पिछले तीन दिनों से योजना क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से कार्य संपादित किया जा रहा था, लेकिन कार्रवाई के दौरान अचानक हुए विरोध और पथराव से स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

निवेश के नाम पर 25 लाख की धोखाधड़ी का आरोप

अजमेर, । शहर के अलवरगेट थाना क्षेत्र स्थित गांधी नगर में रहने वाली एक महिला ने जयपुर निवासी कंपनी मालिक पर लाखों रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाते हुए कोर्ट की शरण ली है। मामले में कोर्ट के आदेश पर अलवरगेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएसआई मोहन सिंह ने बताया कि अलवरगेट थाना इलाके में रहने वाले नाथूलाल जैन की पत्नी रेखा जैन ने न्यायालय में इस्तगासा पेश कर आरोप लगाया कि जयपुर निवासी राजा अजवानी, जो कि एक कंपनी का संचालक है, ने निवेश और लाभ का झांसा देकर उनसे करीब 25 लाख रुपए की राशि प्राप्त की। आरोप है कि आरोपी ने रकम लेने के बाद ना तो तय अनुसार लाभ दिया और ना ही मूल राशि वापस लौटाई।

पीड़िता का कहना है कि जब उन्होंने अपनी राशि वापस मांगनी शुरू की तो आरोपी लगातार टालमटोल करता रहा। बाद में आरोपी ने संपर्क करना भी कम कर दिया। खुद को ठगा महसूस करने पर रेखा जैन ने न्यायालय की शरण लेते हुए कार्रवाई की मांग की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने अलवरगेट थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के निर्देश दिए।

खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम दर्ज फॉर्च्यूनर ने 3 बाइकों को रौंदा, 1 की मौत

अजमेर/पुष्कर। पुष्कर से अजमेर शहर को जोड़ने वाले घाटी मार्ग पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया। तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार द्वारा तीन मोटरसाइकिलों को टक्कर मारने के मामले में अब वीआईपी कनेक्शन और कार से शराब बरामद होने की बात सामने आई है।

हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए । दुर्घटनाग्रस्त फॉर्चूनर कार राजस्थान के प्रसिद्ध श्री खाटू श्याम मंदिर कमेटी के नाम से रजिस्टर्ड बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक हादसे के समय कार में मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष शक्ति सिंह का चचेरा भाई दिग्विजय सिंह भी मौजूद था। पुलिस अब इस पूरे मामले की विभिन्न एंगल से जांच कर रही है।

तेज रफ्तार बनी हादसे की वजह : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फॉर्चूनर कार पुष्कर की ओर से अजमेर की तरफ तेज गति से आ रही थी। घाटी मार्ग पर आगे चल रही तीन मोटरसाइकिलों को कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार कई फीट दूर जा गिरे और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी सुरक्षा दीवार तोड़ते हुए आधी खाई में लटक गई। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और पुलिस व एम्बुलेंस को सूचना दी।

एक युवक की मौके पर मौत, चार की हालत गंभीर : हादसे में एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तत्काल अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार कुछ घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

कार की तलाशी में मिली शराब : पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त फॉर्चूनर की तलाशी लेने पर उसमें से शराब बरामद होने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद पुलिस ने शराब सेवन और लापरवाही से वाहन चलाने के पहलुओं को भी जांच में शामिल कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसे के समय वाहन कौन चला रहा था और चालक नशे में था या नहीं।

एसपी हर्षवर्धन पहुंचे मौके पर : घटना की सूचना मिलते ही अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर लिया है। एसपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। कार से बरामद सामग्री, वाहन में मौजूद लोगों और हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। मामले में मंदिर ट्रस्ट से जुड़े व्यक्ति का नाम सामने आने और कार मंदिर कमेटी के नाम दर्ज होने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। पुलिस का कहना है कि जांच निष्पक्ष रूप से की जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।